रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 15 ● कानपुर 1 से 15 अगस्त 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

विकास की गति रुकनी नहीं चाहिये

इहमाई का स्थापना दिवस धूम–धाम से सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष रुप से एसोसिएशन के प्रमुख डा0 एम0 एच0 इदरीसी जी ने जो भी कहा वह एक कटु सत्य है।

" हमने देखी है उन आंखों की महकती खुशबू .....
प्यार को प्यार ही रहने दो कोई नाम न दो .....
किसी शायर की पंक्तियां यहां बिलकुल सटीक बैठती हैं।"

इलेक्ट्रो होम्योपैथी – इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही बनी रहे इसलिए आवश्यक है कि इस स्थापित चिकित्सा पद्धति का वास्तविक विकास किया जाये और विकास का स्वरूप कुछ इस तरह का हो जिसका लाभ आमजन भी उठा सकें तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विकसित किया जा सकता है।

वर्तमान समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जो कुछ भी चल रहा है लगता है कि सब कुछ सामान्य सा नहीं है अन्दर से कुछ और बाहर से कुछ और ही दिखता है, विकास के नाम पर बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं बड़े बड़े दावे किये जाते हैं लेकिन जब यथार्थ के धरातल पर परीक्षण होता है तो जो परिणाम चौंकाने वाला होता है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं, उत्तर प्रदेश को छोड़कर यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट हो जाती है कि विकास का जो पहाड़ा सुनाया जा रहा है वह विकास तो हो ही नहीं रहा है विकास का बहाव वास्तविक होना चाहिये आभासी नहीं, यह सभी के लिये सोचने का विषय है इन्हीं सब बिन्दुओं पर चिन्तन करने के बाद बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी ने यह निणर्य लिया कि शीघ्र ही ऐसा कोई नीतिगत निर्णय लिया जाये जिसपर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास हो सके।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित करना चाहते हैं तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक सीमित न रहे, कहने को तो लोग बहुत लम्बी–लम्बी कहते हैं, कहा जाता है कि जितने भी आसाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति क, ज़बरदस्त प्रभाव है ऽ,पा कि पढ़ा और पढ़ाया जाता है उसके अनुसार यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है परन्तु जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या वास्तविक संख्या से बहुत कम है, किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो, परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी के समाज में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है जिसका समय–समय पर लोग ढिंडोरा पीटा करते हैं, आज युग बदल चुका है हर क्षेत्र में ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है।

चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कार्य होने चाहिये हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को पहचानना होगा और दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य संस्कृति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इनकार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, परन्तु जो संतुलित और समन्वित विकास होना चाहिये वह नहीं हो पा रहा है, यदि हम इसके कारणों पर जायें तो चौंक जायेंगे आपस में ही लोग छोटे बच्चों की तरह लड़ा करते हैं ऐसे में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास कैसे हो सकता है, कारण अनेक हैं परन्तु यदि हम यूँ ही आपस में ही पूर्ववर्त्ता कारणों को लेकर झगड़ते रहे तो विकास दूर–दूर तक नहीं हो सकता है।

यह सत्य है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये 90 के दशक का समय बहुत कठिन रहा है लेकिन जिस सूझ–बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के नायकों नें इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया उससे तो पद्धति में पुनः जान आ गयी वर्ना तो लोगों ने तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति को कहीं का नहीं छोड़ा था विद्वान साथियों ने ऐसे – ऐसे मुकदमें लगाये कि जज महोदय द्वारा बहुत कड़ा निर्णय देते हुये यहां तक कहना पड़ गया कि वह पुनः इस बेन्च में कोई इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बंधित याचिका दाखिल न करें।

वर्तमान समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत अनुकूल है हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि इस प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ उठायें जो बीत गया उस पर ही चर्चा करने से अच्छा है कि आगे की सोचें, प्रतिस्पर्धा में वही टिकता है जिसके पास बौद्धिक सम्पदा का भण्डारण हो, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है परन्तु हमारे चिकित्सक आज भी अपने आपको दीन–दयालू समझते हैं जबकि हमारे पास ताकत की कमी नहीं है, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शिक्षा, प्रैक्टिस, विकास एवं अनुसंधान हेतु अलग से आदेश दे रखा है, क्या हम अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि सरकार हमसे क्या चाहती है ? और प्रति उत्तर में हम क्या कर रहे हैं समय की मांग है कि अपना कौशल प्रदर्शित करें, जो चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में विशुद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें आशातीत सफ़लता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव जाग्रत हुआ है, ऐसे चिकित्सकों को चाहिये वे दैनिक मरीज़ों का रजिस्टर मेन्टेन करें, रोगी कब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक के पास आया, उसकी आयु क्या है, क्या कष्ट था, क्या दवा दी गई, कितने समय तक दवा का सेवन रोगी द्वारा किया गया, रोगी ने दवा का सेवन कब बन्द किया एवं परिणाम क्या रहा।

अब तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों की भी कोई कमी नहीं है, हर मेट्रो शहर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां उपलब्ध हैं, कुछ औषधि निर्माताओं ने मूल औषधियों के साथ–साथ पेटेन्ट के रुप में टैब्लेट, स्ट्रिप्स एवं सीरप आदि का भी उत्पादन करना प्रारम्भ कर दिया है।

एक क्षेत्र ऐसा है जिस पर कार्य होना है और वह क्षेत्र है हमारी शिक्षण व्यवस्था का अध्यापन पर अधिकाधिक ध्यान दिया जाये एवं छात्र की उपस्थिति भी अधिकतम हो दूसरे वर्ष से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान भी उपलब्ध कराया जाये जो अध्यापक अध्यापन कर रहे हैं उन्हें रिफ्रेशर कोर्स कराया जाये जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रही नवीन जानकारियों से वे अपडेट रहें ताकि छात्रों को बिलकुल नवीन शोधों एवं जानकारियों से अवगत करा सकें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय करने वाले चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि तो हुयी है परन्तु यह वृद्धि न के बराबर है जिस हिसाब से प्रति वर्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक पास हो कर निकल रहे हैं उस संख्या में ज़मीन पर उनकी संख्या नगण्य सी है, एक सर्वे के अनुसार पूर्व में जो चिकित्सक अन्य विधा प्रयोग में लाते हैं उनके अन्दर भी एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और यह चिकित्सक भी अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से चिकित्सा करने लगे हैं, हम आश्वस्त हैं कि धीरे– धीरे हमारी यह श्रंखला बहुत बड़ी और मज़बूत होगी तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी चुनौती को आसानी से स्वीकार कर लेगी, सरकार के सहयोग और समर्थन के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निरन्तर प्रयासशील है, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से इस विषय पर पत्र व्यवहार हो रहा है जहाँ कहीं भी भौतिक सम्पर्क की आवश्यकता होती है वह भी किया जा रहा है, हमें अपने कर्तव्य का बोध है लेकिन कभी–कभी कष्ट होता है जब हमारे चिकित्सक अधिकारों के प्रति ज़्यादा जागरुकता दिखाते हैं लेकिन जब इन्हीं प्राप्त अधिकारों को उपभोग करने के लिये जिन कर्तव्यों की आवश्यकता होती है तब वह विमुख हो जाते हैं इस तरह के दोहरे व्यवहार से सफ़लता संदिग्ध रहती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया इलेक्ट्रो होम्योपैथी को तीव्रता से विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

अन्त में हम तो यही कामना करते हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का कल्याण हो, सबका हित हो, लेकिन कामना बिना कर्म के कामना ही बनी रहती है चूंकि सम्पूर्ण भारत में हमें स्वतन्त्र नियामक होने का दर्जा प्राप्त है हम अपने दायित्वों से भली भांति परिचित हैं, सरकार के सामने हमारी उपस्थिति एक अधिकारिक के तौर पर होगी, सरकार ने जब हमें यह अधिकार दिया है तो हम दावे के साथ अपनी अधिकारिता प्रस्तुत करेंगे और सम्पूर्ण इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज के विकास के लिए जो कुछ भी सम्भव होगा किया जायेगा, असम्भव जैसे शब्दों का प्रयोग हमें स्वीकार नहीं है।

- ✓ विकास वास्तविक रुप से परिभाषित किया जाय
- ✓ बातों से कुछ नहीं होता काम दिखना चाहिये
- ✓ अपने कार्य को धरातल पर दिखाना होगा
- ✓ मान्यता मिलने तक विकास रुकना नहीं चाहिये
- ✓ कार्य करने की पद्धति में परिवर्तन होना चाहिये
- ✓ क्लीनिकों में केवल इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवा हो
- ✓ हमें स्वयं को वर्तमान परिवेश में ढालना पड़ेगा

सोचने की मानसिकता बदलनी होगी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दिलाने का बीड़ा ऐसा लगता है कि हर चिकित्सक ने अपने कंधों पर उठा रखा है इसीलिये जिसका जब जो मन करता है वह कर गुज़रनें में रत्ती भर भी पीछे नहीं रहता है, परिणाम यह होता है कि मान्यता के प्रथम पायदान पर तो वह पहुँच भी नहीं पाता अपितु जहाँ वह खड़ा है वहाँ से भी वह नीचे आने लगता है और कभी–कभी तो उस एक व्यक्ति का किया हुआ कृत्य एक बड़ी संख्या को नुकसान पहुँचानें में सक्षम हो जाता है, वैसे आज तक का इतिहास साक्षी है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को जो भी नुकसान पहुँचा है वह संस्था विशेष द्वारा किसी एक व्यक्ति द्वारा ही पहुँचाया गया है, किसी भी समूह ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को कोई क्षति नहीं पहुँचायी है जो भी क्षति पहुँचती है वह अनावश्यक लिखा–पढ़ी के कारण ही पहुँचती हैं, पहले भी इस प्रकार की अनेकों हानियाँ हो चुकी हैं जिसकी भरपाई अभी तक नहीं हो पाई है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक समाज से जुड़ा हर व्यक्ति यह जानता है कि आज देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने का एक स्वस्थ वातावरण उपलब्ध है यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करते हैं तो कार्य में किसी भी प्रकार का कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता है बशर्ते हम जिस राज्य में कार्य कर रहे हैं उस राज्य में कार्य करने के लिये प्रचलित नियमों और कानूनों का पालन कर रहे हों।

अब जब कार्य करने का अधिकार प्राप्त है तो सम्बन्धित विभाग से अनावश्यक पत्र व्यवहार कर यह जानकारी प्राप्त करना कि क्या इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने का अधिकार है ? अब आप स्वयं विचार करें कि जब इस प्रकार के प्रश्न बार–बार किये जायेंगे तो कभी न कभी कोई अधिकारी झुंझलाकर यदि यह उत्तर दे दे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी अधिकृत नहीं है तो सोचिये परिणाम क्या होगा ? जी हाँ ! हम आपको यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि अनर्गल और अनावश्यक जानकारियां क्या परिणाम दे सकती हैं ? आज कल इस प्रकार के प्रयास हमारे कुछ अति उत्साही नवजवान साथी इस तरह के कार्यों में कुछ ज़्यादा ही लिप्त हैं, उनकी यह लिप्तता उन्हें कितना लाभ पहुँचायेगी यह तो हमारे यही साथी बता पायेंगे हर इलेक्ट्रो होम्योपैथ को यह अंतिम सत्य स्वीकार कर लेना चाहिये कि जब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता नहीं मिलती है तब तक भारत सरकार द्वारा 25 नवम्बर, 2003 को जारी आदेश में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही कार्य करना होगा, जब सरकार आपके कार्य से संतुष्ट हो जायेगी तो सरकार मान्यता का मार्ग स्वयं प्रशस्त कर देगी इसलिये हर इलेक्ट्रो होम्योपैथ को यह समझना आवश्यक है कि जो लोग ज़्यादा जानकारियां अर्जित कर रहे हैं वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित साधक नहीं हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित चाहने वाले सिर्फ़ कार्य को ही प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार करते हैं और कार्य करते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की राह आसान कर रहे हैं, जो लोग कार्य न करके सिर्फ़ अधिकारों की बात करते हैं उनको अपने कर्तव्यों का बोध अवश्य कर लेना चाहिये, जीवन में यदि सफ़लता पानी है तो लघु मार्ग कभी भी लाभकारी नही होता है इसलिये लघु मार्ग की मानसिकता छोड़कर सिर्फ़ पूर्ण सफ़लता का विचार करना चाहिये, जो लोग इस तरह का प्रयास करते हैं वे तर्क दिया करते हैं कि हमें लोगों की उदासी देखी नहीं जाती, इसलिये हम प्रयास करते हैं, ऐसे लोगों को यह समझ लेना चाहिये कि जो लोग सिर्फ़ अपने गौरवशाली अतीत में जीते हैं वह लोग उदास रहते हैं, जो सिर्फ़ अच्छे भविष्य की कल्पना में जीते हैं वे निराश रहते हैं और जो वर्तमान में जीते हैं वे ही प्रसन्न रहते हैं।

हमारा वर्तमान जैसा भी है अच्छा है इसी अच्छे वर्तमान में काम करते हुये यदि हम अच्छे भविष्य की कामना करते हैं तो परिणाम सुखद ही होते हैं इसलिये देश में जो लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथ कार्य कर रहा है वह प्रसन्न मन से प्राप्त अधिकारों का उपभोग करते हुये स्वर्णिम भविष्य की तरफ़ बढ़ रहा है सफ़लता निश्चित है शासन और सरकार दोनों इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सकारात्मक रुख अपनाये हुये हैं परन्तु यदि हम ही नहीं बदले तो सरकार क्या करेगी ? विज्ञान तो लगातार आगे बढ़ रहा है, नित्य नये–नये शोध हो रहे हैं यदि हमें प्रतिस्पर्धा में रहना है तो वास्तविक कार्य करना होगा, जो नहीं सुधर रहे हैं हमें आशा है कि वे भी ज़रुर सुधरेंगे लेकिन गति जितनी धीमी होगी परिणाम उतने ही देर से मिलेंगे।

जहाँ कहीं भी समस्या वहाँ पर हम सदैव हैं आपके साथ

वर्तमान परिस्थितियों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की जो गति है उसमें तीव्रता लाने के लिये अब यह आवश्यक हो गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया अपने दायित्वों को और गति प्रदान करे और चतुर्दिक दृष्टि रखते हुये कड़े निर्णय ले, चूँकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में जो तत्व बाधक हैं उनसे कड़ाई से निपटना होगा पिछले कुछ दिनों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी में ऐसे कार्य किये जा रहे हैं जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दिशा ही बदले दे रहे हैं, जो कार्य सकारात्कमता से सम्भव किये जा सकते हैं उन्हें कठिन बनाने का प्रयास किया जा रहा है ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि मज़बूत, प्रभावी और कड़े निर्णय लिये जायें यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष EHडा0 मुहम्मद हाशिम इदरीसी ने 25 जुलाई को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कानपुर में आयोजित कार्यक्रम में एसोसिएशन के महा मंत्री EHडा0 अतीक अहमद ने व्यक्त किये, डा0 अहमद ने बताया कि इस समय पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की निगरानी का दायित्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के कंधों पर है, 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के प्रतिवेदन पर निर्णय लेते हुये एक आदेश जारी किया है जिसके आधार पर पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिक्षा, चिकित्सा व अनुसंधान का कार्य अधिकार पूर्वक किया जा सकता है और इस आदेश का अनुपालन सभी राज्य सरकारों व केन्द्र शासित प्रदेशों को भी करने का निर्देश है इस तरह से पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ही एकमात्र ऐसी नीति नियामक संस्था है जो पूरे देश में संचालित हो रही इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थाओं के क्रिया कलापों की निगरानी करती है, कार्यक्रम का प्रारम्भ मैटी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ अतिथियों के स्वागत के बाद डा0 अहमद ने बताया कि आज से 47 वर्ष पूर्व 25 जुलाई, 1978 को कानपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का गठन किया गया था और यह निर्णय लिया गया था कि इस संगठन के माध्यम से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सकों, छात्रों, औषधि निर्माताओं, विद्यालयों की समस्याओं के लिये कार्य किया जायेगा साथ–साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को शासकीय संरक्षण दिलाने के लिये कार्य करेगा, लगातार संगठन अपने उद्देश्यों पर चलते हुये तमाम उतार चढ़ाव आये परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया अडिग रहते हुये अपने उद्देश्यों से कभी नहीं भटका उसी का परिणाम है कि आज पूरे देश में एकमात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ही एक ऐसा संगठन है जो भारत सरकार से आदेश प्राप्त है 21 जून, 2011 का आदेश आ जाने के बाद संगठन का दायित्व है कि अब हम और अधिकारिता के साथ कार्य करें बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उत्तर प्रदेश के वित्त नियंत्रक श्री मो0 ज़फ़र इदरीसी ने कहा कि मज़बूत संगठन कठिन से कठिन कार्य को भी सुगमता से निपटा लेता है, हमें इस बात का आत्म गौरव है कि हमारा संगठन निरन्तर आगे बढ़ रहा है और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की हर समस्याओं का समाधान भी ढूंढ रहा है लेकिन हमारे चिकित्सक अभी भी अपने दायित्वों को नहीं समझ रहे हैं, यह उदासी कभी भी ठीक नहीं है हर चिकित्सक को अपनी पूरी ऊर्जा का प्रयोग करते हुये कार्य करना चाहिये, भविष्य ठीक–ठाक है परन्तु वर्तमान में कार्य संस्कृति पनपाने के लिये सभी को मिल–जुल कर कार्य करना होगा, श्री ज़फ़र ने कहा कि पूरे देश से लोग तरह–तरह की जानकारी लेते रहते हैं, अपनी समस्याओं से हमें अवगत कराते रहते हैं और हम बिना किसी भेद–भाव के हर व्यक्ति की समस्या के समाधान के लिये सदैव तत्पर रहते हैं संगठन उत्तरोत्तर विकास की ओर बढ़ रहा है, हम आप सभी के सहयोग से सफ़लता की वह सीढ़ी अवश्य चढ़ेंगे जिसकी हम सबको इच्छा है, अभी हाल ही में मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में उथल पुथल हुयी यद्यपि यह समस्या मध्य प्रदेश के चिकित्सकों की है चूँकि बात इलेक्ट्रो होम्योपैथी की है इस कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को स्वयं संज्ञान लेना पड़ा और संयुक्त सचिव EHडा0 मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा एक पत्र मध्य प्रदेश शासन को भेजा गया है (पाठकों के लिये नीचे पत्र प्रकाशित किया गया है), वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक एवं स्वर्गीय डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य EHडा0 वाई आई खान ने अपने विचार देते हुये कहा कि इहमाई को भारत सरकार से जो आदेश प्राप्त हुआ है वह कोई आसान काम नहीं है, भारत सरकार इतनी आसानी से किसी संगठन को Rcognize नहीं करती है यह हम सबके लिये गर्व का विषय है इहमाई ने जो कदम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित के लिये बढ़ाये हैं वह प्रशंसनीय है, कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख EHडा0 राम अवतार कुशवाहा ने संगठन से जुड़े रहने पर बल दिया, 4 बजे कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

Electro Homoeopathic Medical Association of India

(An Organization of Electro Homoeopathic Practitioners & Institutions)

Adm.Office: 8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001

Head office: 127/204 "S" Juhi, Kanpur-208014 E-mail : ehmaik@gmail.com

Ref No. 142 /E.H.M.A.I./ 202 (Registered) Lucknow, Dated 22-07-2024

सेवा में,
आयुक्त
चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश
संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा
मध्यप्रदेश।

विषयः– गैर मान्यताधारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में आपके पत्र क्र./विनियमन/2024/248 दिनांक 15/07/2024 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि हमारे कार्यालय पत्रांक 189//E.H.M.A.I./ 100/2018-19 दिनांक 27/10/2018 एवं 906//E.H.M.A.I./ 2023-24 दिनांक 24/08/2023 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा आपको इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं संस्थाओं के विषय में अद्यतन स्थिति से अवगत कराया जा चुका है।

अतः आपसे अनुरोध है कि भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के आदेश संख्या C.30011/22/2010-HR दिनांक 21–06–2011 का अनुपालन करने का कष्ट करें।

धन्यवाद,

भवदीय
(मिथलेश कुमार मिश्रा)
संयुक्त सचिव

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

प्रतिलिपि माननीय मुख्यमंत्री,मध्यप्रदेश को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का स्थापना दिवस सम्पूर्ण भारत में धूम–धाम से मनाया गया

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूम–धाम से आयोजित हुआ, वैसे तो यह आयोजन सम्पूर्ण भारत में आयोजित हुआ इस प्रकार की सूचना गज़ट कार्यालय को प्राप्त हुयी हैं, अधिकांश लोगों ने बढ़िया कार्यक्रम आयोजित किये परन्तु अनेक लोगों ने अपने समाचार व फोटो गजट कार्यालय को समय से नहीं प्रेषित किये है कुछ लोगों द्वारा केवल फोटो भेजे गये हैं परन्तु फोटो में कौन मंचासीन है उसका विवरण नहीं लिखा गया है, हमने प्रयास किया है कि सभी को उचित स्थान दें, जिन्होंने फोटो सहित समाचार साझा किया है, आशा है कि आयोजकगण आगे से जो भी समाचार/ लेख / फोटो आदि भेजेंगे तो फोटो का कैप्शन अवश्य लिखेंगे। सम्पादक।

लखीमपुर खीरी– माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, मिश्राना लखीमपुर खीरी में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस समारोह धूम–धाम से मनाया गया, इन्सटीट्यूट के प्रभारी EHडा0 राकेश शर्मा ने लोगों को बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया की स्थापना 25 जुलाई 1978 को कानपुर में हुयी थी तब से लगातार यह संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करता आ रहा है, 21 जून 2011 का भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश इसी संगठन के प्रयासों का प्रतिफल है।

देश का एक मात्र संगठन जिसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आदेश जारी किया है, इस आदेश को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसके अनुपालन के लिए भेजा गया है, आदेश में स्पष्ट रुप से कहा गया है कि जब तक कोई नया आदेश नही आता है तब तक इस आदेश के साथ ही कार्य करना होगा, कार्यक्रम में EHडा0 मंजीत कश्यप, EHडा0 प्रवेश शर्मा, EHडा0 अंशिका गुप्ता, डा0 श्याम जी गुप्ता साथ में मुझे भी रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

फ़तेहपुर– फ़तेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृष्णा आदर्श विद्या मंदिर दिव्यांग एवं आवासीय विद्यालय खंभापुर के प्रबंधक श्री सीताराम यादव जी ने डा0 काउंट सीज़र मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरूआत की कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सूबेदार मेजर उ0प्र0 पुलिस हाजी अनीस उल्लास सिद्दीकी ने की, प्रभारी अधिकारी EHडा0 वकील अहमद ने स्थापना दिवस के बारे में विस्तार से चर्चा की, इस अवसर पर मनीष यादव, हेमंत सिंह, चैतन्य कुमार, पवन कुमार, प्रकाश सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

हमीरपुर– जनपद हमीरपुर मुख्यालय के पटकाना स्थित धर्मार्थ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया, जिसमें जनपद के समस्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने कार्यक्रम में भाग लिया, इस अवसर पर बुन्देलखण्ड प्रभारी EHडा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों को शपथ दिलायी कि *हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से ही चिकित्सा करेंगे।* जिला नोडल प्रभारी पंजीयन EHडा0 मानसी ने कहा कि क्लीनिक में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का बोर्ड लगाना आवश्यक है, इस अवसर पर डा0 स्वाती खरे, डा0 प्रभा सचान, डा0 शशि सचान, डा0 कंचन गुप्ता, डा0 सुनीता सागर, EHडा0 विपाशा, EHडा0 देवानंद सागर, EHडा0 दिनेश कुमार निषाद, EHडा0 अरशद अंसारी उपस्थित रहे।

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के कदम लगातार सरकारी संरक्षण कि ओर बढ़ रहे हैं और जो कार्य वर्षों से संभावित था वह कार्य अब कभी भी हो सकता है, इस कार्य के लिये उन सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का विश्वास और श्रद्धा इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ी रही है और उसका परिणाम है हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की वर्षों की प्रतिक्षा अब समाप्त होने वाली है, यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया शाखा रायबरेली के जिला अध्यक्ष EHडा0 पी0एन0 कुशवाहा ने व्यक्त किये, उन्होंने कहा कि आज जो हमें प्रसन्नता है कि इस 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर हम कह सकते हैं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए ही है, ऊंचाहार तहसील के कैम्प प्रभारी EHडा0 सुनील मौर्य, रामविशाल ने जोर देकर कहा कि इलेक्ट्रो होम्यौपैथिक के चिकित्सा शिविर अधिक से अधिक आयोजित कर जनता को इस हानि रहित चिकित्सा पद्धति से रोगियों को रोग मुक्त करने में तेज गति से कार्य किया जाए, कार्यक्रम में EHडा0 कालीशंकर, EHडा0 आर0के0 तिवारी, EHडा0 आकांक्षा, EHडा0 शोभनाथ, EHडा0 श्रद्धा, EHडा0 रामचन्द्र आदि ने अपने अपने विचार रखे कार्यक्रम की अध्यक्षता EHडा0 सौरभ कुशवाहा एवं संचालन EHडा0 सत्यपाल वर्मा ने किया।

मऊ (वलीदपुर)– नगर पंचायत वलीदपुर स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेंटर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 47 वां स्थापना दिवस समारोह धूम–धाम से मनाया गया, स्टडी सेंटर के प्रभारी EHडा0 अयाज अहमद ने लोगों को बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया की स्थापना 25 जुलाई 1978 को कानपुर में हुयी थी तब से निरन्तर यह संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करता आ रहा है, 21 जून 2011 का भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश इसी संस्था के प्रयासों का प्रतिफल है, देश का एक मात्र संगठन जिसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आदेश जारी किया है, इस आदेश को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसके अनुपालन के लिए भेजा गया है, जब तक कोई नया आदेश नही आता है तब तक इस आदेश के साथ ही कार्य करना होगा, कार्यक्रम में मुख्य रूप से EHडा0 अयाज अहमद, EHडा0 नंदलाल, EHडा0 मोहम्मद, EHडा0 अबुलकैश आदि उपस्थित थे।

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर में इन्सटीट्यूट के प्राचार्य EHडा0 राकेश शर्मा

फ़तेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में EH डा0 वकील अहमद की अगुवायी में कार्यक्रम की एक झलक

बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में EH डा0 नरेन्द्र भूषण निगम की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ

स्थापना दिवस के कार्यक्रम के समाचार एवं फोटो पेज 3 से आगे

उन्नाव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में EH डा0 गौरव द्विवेदी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उन्नाव– उन्नाव इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस समारोह धूम–धाम से मनाया गया, स्टडी सेन्टर के प्रमुख EHडा0 गौरव द्विवेदी ने लोगों को बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की स्थापना 25 जुलाई 1978 को कानपुर में हुयी थी तब से लगातार यह संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करता आ रहा है, 21 जून 2011 का भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश इसी संगठन के प्रयासों का प्रतिफल है।

जनपद अयोध्या में जिला प्रभारी EH डा0 तुफैल–उर–रहमान की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में EH डा0 अयाज़ अहमद कार्यक्रम कुछ इस प्रकार आयोजित हुआ।

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में EH डा0 आशुतोष कपूर EH डा0 पी0 आर धूसिया से वार्ता करते हुये।

लखनऊ– अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 47वां स्थापना दिवस समारोह धूम–धाम से मनाया गया, इन्सटीट्यूट के प्राचार्य EHडा0 आशुतोष कपूर ने बताया कि देश का एक मात्र संगठन जिसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आदेश जारी किया है।

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट रायबरेली के प्राचार्य EH डा0 पी0 एन0 कुशवाहा द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ करने से पूर्व डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए (इन्सेट में) एवं अन्य चिकित्सकगण।

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं शिवलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–14 से प्रकाशित किया।